ग्रामीण महिलाओ के सपनों को दी एक नई उड़ान

शकुन टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। मिर्जामुराद अवादा फाउंडेशन द्वारा घरेलू महिलाओं को सशक्त बनाने और उनकी आजीविका सुनिश्चित करने की एक पहल।अवादा फाउंडेशन,जो पिछले सात वर्षों से जयापुर और नागेपुर के लोगों के उत्थान के लिए सतत प्रयासरत है,ने जियो के साथ पार्टनरशिप करके आठ कम स्कूली शिक्षा प्राप्त महिलाओं को जिओ कस्टमर असिस्टेंट के रूप में नौकरी दिलवाई है।

इस पहल से न केवल इन महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है,बल्कि वे आत्मनिर्भर भी बन रही हैं,अपने परिवारों को , जिनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी,अतिरिक्त आय के माध्यम से सहारा दे रही हैं। इन महिलाओं को इस नौकरी के लिए बहुत अधिक प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं पड़ी और वे घर से ही अपने खाली समय में यह कार्य आसानी से कर पा रही हैं।इससे उन्हें घर और काम को संतुलित करने में सुविधा होती है और कार्यस्थल पर आने-जाने का समय भी बचता है।सुमन देवी,जो इन आठ महिलाओं में से एक हैं,ने बताया कि अवादा फाउंडेशन के सहयोग के कारण ही उन्हें यह नौकरी मिली।अब वे अपने पति के भाई की मृत्यु के बाद उनके परिवार की देखभाल की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी आसानी से वहन कर पा रही हैं।इसी प्रकार, सीमा पटेल,जया पटेल, अनामिका पटेल, मुनिता देवी, अंकिता सिंह, गीता देवी,ममता कुमारी और अन्य महिलाएं भी अपनी इस नौकरी के माध्यम से अपने ख़राब आर्थिक हालात को सुधार पा रही हैं।फाउंडेशन ने इस क्षेत्र के विद्यालयों के लिए पांच बड़े कमरों का निर्माण किया है और लगभग 25 विद्यार्थियों को स्कालरशिप दी है। इसके अलावा,दो बच्चों को आईआईटी की कोचिंग के लिए स्पॉन्सरशिप भी प्रदान की है। छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए, फाउंडेशन ने एंट्रप्रेन्योरशिप वर्कशॉप, करियर काउंसलिंग, मोटिवेशनल स्पीचेस, सरकारी विद्यालयों को आवश्यक उपकरण और फर्नीचर, कंप्यूटर एवं कोडिंग क्लासेज, इंगलिश स्पीकिंग क्लासेज और कोचिंग क्लासेज का आयोजन किया है।इसके साथ ही, 25 किलोवॉट के दो पावर प्रोजेक्ट्स भी शुरू किए हैं।

घरेलू महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहा अवादा फाउंडेशन

मिर्जामुराद। घरेलू महिलाओं को सशक्त बनाने और उनकी आजीविका सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से अवादा फाउंडेशन ने जयापुर और नागेपुर की महिलाओं के लिए पहल की है। कक्षा-8 से कम पढ़ी-लिखी महिलाओं को संस्थान ने एक निजी कंपनी में कस्टमर असिस्टेंट की नौकरी दिलायी है। इस कारण संबंधित महिलाओं का न सिर्फ आत्मविश्वास बढ़ा है बल्कि वह आत्मनिर्भर भी बन रही हैं। उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए बहुत अधिक परिश्रम नहीं करना पड़ा। वह घर से ही खाली वक्त के दौरान नौकरी से जुड़ा कार्य कर रही हैं। फलस्वरूप उन्हें कार्यस्थल पर नहीं जाना पड़ रहा है। इससे उनके समय की भी बचत हो रही है। लाभार्थियों में सीमा पटेल, जया पटेल, अनामिका पटेल, मुनिता देवी, अंकिता सिंह, गीता देवी, ममता कुमारी आदि हैं। संस्था ने इस क्षेत्र के विद्यालयों के लिए कुछ कमरे बनवाए हैं।

आपूर्ति बंद रहेगी। हरहुआ उपकेंद्र से विद्युत आपूर्ति किए जाने वाले गांव हरहुआ डीह, काजीसराय, कोईराजपुर, वाजिदपुर, लोढ़ान, सरसवां, वीरापट्टी, पुआरीकला, अहरक, औसानपुर, करोमा, भटौली, सेहमलपुर, वाजिदपुर, मोहनपुर, हरहुआ बाजार, देवनाथपुर इत्यादि गांव की विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। यह सूचना सातों महुआ उपकेंद्र के जेई लालब्रत प्रजापति के द्वारा दिया गया।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहा अवादा फाउंडेशन

जक्खिनी/वाराणसी। अवादा फाउंडेशन, जो पिछले सात वर्षों से जयापुर और नागेपुर के लोगों के उत्थान के लिए सतत प्रयासरत है, ने एक कंपनी के साथ पार्टनरशिप करके कम स्कूली शिक्षा प्राप्त आठ महिलाओं को कस्टमर असिस्टेंट के रूप में नौकरी दिलवाई है। इस पहल से न केवल इन महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि वे आत्मनिर्भर भी बन रही हैं। साथ ही अपने परिवारों को अतिरिक्त आय के माध्यम से सहारा दे रही हैं। सीमा पटेल, जया पटेल, अनामिका पटेल, मुनिता देवी, अंकिता सिंह, गीता देवी, ममता कुमारी और अन्य महिलाएं भी अपनी इस नौकरी से अपने खराब आर्थिक हालात को सुधार पा रही हैं। फाउंडेशन ने इस क्षेत्र के विद्यालयों के लिए पांच बड़े कमरों का निर्माण किया है और लगभग 25 विद्यार्थियों को स्कालरशिप दी है। इसके अलावा दो बच्चों को आईआईटी की कोचिंग के लिए स्पॉन्सरशिप भी प्रदान की है।

महिला हिंसा के खिलाफ की आवाज बुलंद

अवादा फाउंडेशन का जयापुर एवं नागेपुर की उन्नति का एक और प्रयास: ग्रामीण महिलाओ के सपनों को दी एक नई उड़ान

संदीप तिवारी/ वेलकम इंडिया

मिजार्मुराद। अवादा फाउंडेशन द्वारा घरेलू महिलाओं को सशक्त बनाने और उनकी आजीविका सुनिश्चित करने की एक पहल। अवादा फाउंडेशन, जो पिछले सात वर्षों से जयापुर और नागेपुर के लोगों के उत्थान के लिए सतत प्रयासरत है, ने जियो के साथ पार्टनरशिप करके आठ कम स्कूली शिक्षा प्राप्त महिलाओं को जिओ कस्टमर असिस्टेंट के रूप में नौकरी दिलवाई है।

इस पहल से न केवल इन महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि वे आत्मनिर्भर भी बन रही हैं, अपने परिवारों को, जिनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी, अतिरिक्त आय के माध्यम से सहारा दे रही हैं। इन महिलाओं को इस नौकरी के लिए बहुत अधिक प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं पड़ी, और वे घर से ही अपने खाली समय में यह कार्य आसानी से कर पा रही हैं। सुमन देवी, जो इन आठ महिलाओं में से एक हैं, ने बताया कि अवादा फाउंडेशन के सहयोग के कारण ही उन्हें यह नौकरी मिली। अब वे अपने पति के भाई की मृत्यु के बाद उनके परिवार की देखभाल की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी आसानी से वहन कर पा रही हैं। इसी प्रकार, सीमा पटेल, जया पटेल, अनामिका पटेल, मुनिता देवी, अंकिता सिंह, गीता देवी, ममता कुमारी, और अन्य महिलाएं भी अपनी इस नौकरी के माध्यम से अपने खराब आर्थिक हालात को सुधार पा रही हैं।

अवादा फाउंडेशन का जयापुर एवं नागेपुर की उन्नति का एक और प्रयास: ग्रामीण महिलाओ के सपनों को दी एक नई उड़ान

- अवादा फाउंडेशन द्वारा घरेलू महिलाओं को सशक्त बनाने और उनकी आजीविका सुनिश्चित करने की एक पहल

आजाद पत्र

मिर्जामुराद। अवादा फाउंडेशन, जो पिछले सात वर्षों से जयापुर और नागेपुर के लोगों के उत्थान के लिए सतत प्रयासरत है, ने जियो के साथ पार्टनरशिप करके आठ कम स्कूली शिक्षा प्राप्त महिलाओं को जिओ कस्टमर असिस्टेंट के रूप में नौकरी दिलवाई है। इस पहल से न केवल इन महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि वे आत्मनिर्भर भी बन रही हैं, अपने परिवारों को, जिनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी, अतिरिक्त आय के माध्यम से सहारा दे रही हैं।इन महिलाओं को इस नौकरी के लिए बहुत अधिक प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं पड़ी, और वे घर से ही अपने खाली समय में यह कार्य आसानी से कर पा रही हैं। इससे उन्हें घर और काम को संतुलित करने में सुविधा होती है और कार्यस्थल पर आने-जाने का समय भी बचता है।सुमन देवी, जो इन आठ महिलाओं में से एक हैं, ने बताया कि अवादा फाउंडेशन के सहयोग के कारण ही उन्हें यह नौकरी मिली। अब वे अपने पति के भाई की मृत्यु के बाद उनके परिवार की देखभाल की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी आसानी से वहन कर पा रही हैं। इसी प्रकार, सीमा पटेल, जया पटेल, अनामिका पटेल, मुनिता देवी, अंकिता सिंह, गीता देवी, ममता कुमारी, और अन्य महिलाएं भी अपनी इस नौकरी के माध्यम से अपने ख़राब आर्थिक हालात को सुधार पा रही हैं। फाउंडेशन ने इस क्षेत्र के विद्यालयों के लिए पांच बड़े कमरों का निर्माण किया है, और लगभग 25 विद्यार्थियों को स्कालरशिप दी है। इसके अलावा, दो बच्चों को आईआईटी की कोचिंग के लिए स्पॉन्सरशिप भी प्रदान की है। छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए, फाउंडेशन ने एंट्रप्रेन्योरशिप वर्कशॉप, करियर काउंसलिंग, मोटिवेशनल स्पीचेस, सरकारी विद्यालयों को आवश्यक उपकरण और फर्नीचर, कंप्यूटर एवं कोडिंग क्लासेज, इंगलिश स्पीकिंग क्लासेज और कोचिंग क्लासेज का आयोजन किया है। इसके साथ ही, 25 किलोवॉट के दो पावर प्रोजेक्ट्स भी शुरू किए हैं।